CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 08 | अंक 52 | बुधवार | 16 दिसंबर 2020 | ₹1

टाइम मैनेजमेंट

कामयाबी की पहली शर्त

कॅरिअर मंत्रा PAGE 03

बदलती जीवन शैली में एन.एल.पी.कोच के कॅरिअर की मांग बढ़ रही है...

एजुकेशन PAGE 10

चौथी पीढ़ी की इंडस्ट्री में इन्वेंट्री प्रबंधन विशेषज्ञों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है...

VISIT…

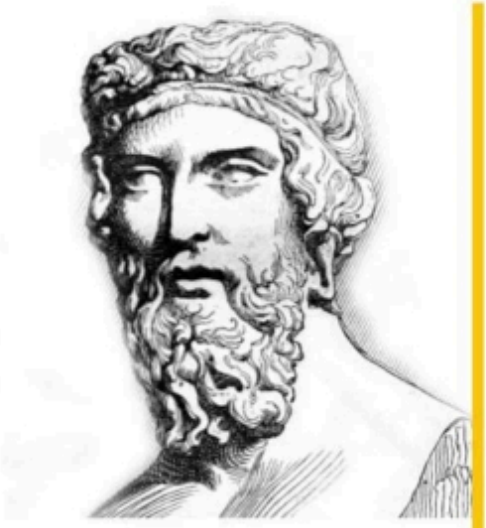

यदि कोई व्यक्ति शिक्षा की उपेक्षा करता है, तो वह अपने जीवन के अंत तक लंगड़ा कर चलेगा।
- प्लेटो

जीवन के हर पड़ाव में स्वस्थ रहना हो प्राथमिकता

दुनिया में हर मुश्किल वक्त में युवा शक्ति का आव्हान किया जाता है, चाहे मसला विकास का हो या विनाश को टालने का। कॅरिअर की बात करें, तो युवाओं के लिए आज का दौर प्रतियोगिता से भरा है। इस वजह से यह संघर्ष कई तरह का हो गया है। ऐसे संघर्ष के दौर में युवाओं की पहली प्राथमिकता स्वस्थ रहने की होनी चाहिए।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि शरीर को सुदृढ़ करो और लक्ष्य प्राप्ति तक आगे बढ़ते रहो। स्वास्थ्य प्राप्ति एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे आधुनिक सभ्यता दिन-प्रतिदिन जटिलता प्रदान करती जा रही है। स्वस्थ रहते हुए ही युवा इन जटिलताओं से पार पा सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार "जीवेत शतायु" जीवन का आधार है। कुछ अनुसंधानों में यह माना गया है कि एक औसत मनुष्य लगभग 18 वर्ष की आयु में पूर्ण रूप से विकसित होता है। यह समय व्यक्ति के कॅरिअर का भी अहम पड़ाव होता है। इस समय में यदि व्यक्ति शारीरिक के साथ-साथ मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होगा, तो वह अपने करियर को सही दिशा नहीं दे सकता है। महात्मा गांधी ने 'श्रम-सिद्धांत" के अन्तर्गत यह शिक्षा दी थी कि प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक श्रम करके अपने उपभोग की वस्तुओं में योगदान देना चाहिए। यही बात आज के युवाओं पर लागू होती है।

अ अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
न्यासमेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

बर्षा छाबरिआ
आर. जे., कम्युनिटी रेडियो

एन.एल.पी.
कोच का करियर

ग्रेजुएशन उत्तीर्ण करने पश्चात निर्धारित संस्थान से आप एन.एल.पी.कोच का सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं...

बदलती जीवन शैली में एन.एल.पी. कोच के कॅरिअर की मांग बढ़ रही है। व्यक्तिगत जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए सकारात्मकता के साथ एन.एल.पी. कोच आपके बेहतरीन मित्र हो सकते हैं। आइए, जानते हैं एन.एल.पी.कोच की कार्य प्रणाली और अपेक्षित गुण:

शैक्षणिक योग्यताएं

किसी भी विषय में न्यूनतम स्नातक अर्थात ग्रेजुएशन उत्तीर्ण करने पश्चात निर्धारित संस्थान से आप एन.एल.पी.कोच का सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं। कई संस्थाओं द्वारा ऑनलाइन भी इस क्षेत्र में सर्टिफिकेशन कोर्स कराए जा रहे हैं, जिन्हें अपनी सुविधानुसार किया जा सकता है।

एन.एल.पी. कोच के गुण

- बहुत अच्छा श्रोता होना।
- स्वयं पर संयम।
- सामने वाले की परिस्थिति को समझना।
- बेहतर स्थिति का आकलन करना।
- वर्तमान स्थिति से सकारात्मक जीवन में रूपांतरण करने का कौशल।
- उचित और नए लक्ष्यों की संरचना करना।
- मित्रतापूर्ण वाक् शैली।
- बातचीत में समझ बनाये रखना और समझाने के गुण होना।
- सक्सेस मॉडलिंग यानी सफलता को सार्थक बनाने के लिए प्रेरित करना।
- सामने वाले की नकारात्मक स्थिति में मदद करने की क्षमता।
- निरंतर अनुसरण।
- समर्पित व्यवहार।
- पुनः ऊर्जापूर्ण जीवन देने के लिए निष्ठा।
- भाव और आवेश पर नियंत्रण।
- सफलता के लिए शार्ट-कट को न मानना।

एन.एल.पी.कोच की कार्य प्रणाली

- अक्सर एन.एल.पी.कोच की मदद भीषण विषम परिस्थिति में लेनी पड़ती है। जहां व्यक्ति विशेष नकारात्मक सोच का शिकार हो चुका होता है।
- एन.एल.पी.कोच को हर उम्र के व्यक्ति की परेशानी को समझना पड़ता है।
- व्यक्ति विशेष को स्थिति अनुसार समाधान सुझाना पड़ता है।
- फ्लेक्सिबल टाइम रूटीन रखना पड़ता है।
- हर स्थिति में सकारात्मक व्यवहार बनाये रखना ही मदद करता है।
- विचार-विमर्श करके वंचित लक्ष्यों का विश्लेषण करना कार्य प्रणाली में शामिल है।
- एन.एल.पी.कोच अपने कार्य को कार्य नहीं वरन व्यवहार समझते है।
- एन.एल.पी. एक ऐसा विशिष्ट कॅरिअर है, जिससे आपका जीवन पूरी तरह से रूपांतरित हो सकता है।
- मनःस्थिति तथा विचार प्रक्रिया पर मैत्री पूर्ण तरीके से नियंत्रण प्रस्थापित करना भी कार्य प्रणाली में शामिल है।

भोजन की योजना

बनाने और खाने में भी समय लगता है

आपने अकसर ध्यान दिया होगा कि आपका बहुत सारा समय यह तय करने में निकल जाता है कि क्या बनाया जाए और फिर उसे खाने में भी समय लगता है। अगर आप पहले से ही तय कर लें कि आपको क्या बनाना है, या अगर कुछ बनाना नहीं है तो उसे कहां से मंगाना है, या अगर कुछ ऐसा बनाना है जिसमें बहुत समय लगना है तो उसे ऐसे दिन के लिए निर्धारित करें जब आपके पास काफी समय है, तो यह योजना भी आपको अपना समय बचाने में और इसमें बर्बाद होने वाले समय को उपयोगी काम में लगाने में मदद कर सकती है। यह सुझाव देखने में तो महिलाओं के लिए लग सकता है, लेकिन इससे पुरुषों को भी उतना ही लाभ होता है, जितना कि महिलाओं को।

आप वह हासिल कर सकेंगे जो आप हासिल करना चाहते हैं। इस बारे में एक कहानी कही जाती है कि दो लकड़हारों को एक जैसे पेड़ काटने थे, इसके लिए उन्हें 3 घंटे का समय दिया गया। उनमें से एक ने तो तुरंत अपना काम शुरू कर दिया और पूरे 3 घंटे में खूब मेहनत करके, खूब पसीना बहाकर उसने पेड़ काट दिया। दूसरे लकड़हारे ने ढाई घंटे तक पेड़ पर कोई काम नहीं किया, और फिर उसने आधे घंटे में ही कम मेहनत करके पेड़ को काट लिया। इसका क्या कारण था? इसका कारण यह था कि ढाई घंटे तक वह अपनी कुल्हाड़ी को तेज करता रहा और इस बात की योजना बनाता रहा कि उसे पेड़ किस तरह से काटना है।

अपनी समय सीमा निर्धारित करें

जब डेडलाइन की बात आती है, तो आपको उसे बिल्कुल साफ तौर से निर्धारित करना चाहिए। आपको वास्तव में पता होना चाहिए कि कोई काम किस समय पूरा करना है, और साथ ही यह भी कि क्या यह डेडलाइन वास्तव में संभव है। अगर आप कोई ऐसी डेडलाइन निर्धारित कर देते हैं, जिसे पूरा करना संभव नहीं है, तो यह आपको निराशा के अलावा और कुछ नहीं देगी। यहां यह भी ध्यान रखने की बात है कि आपको इस मामले में अपनी याददाश्त पर बहुत ज्यादा भरोसा करने से नुक़सान हो सकता है। आपको अपनी डेडलाइन या समय सीमा को अपने कैलेंडर में लिखना चाहिए ताकि वह आपको इसे दिखाता रहे, इसकी याद दिलाता रहे, और इसके बारे में आपको सावधान करता रहे, चेतावनी देता रहे। इसके लिए आप चाहें तो पारंपरिक प्रिंटेड कैलेंडर या डायरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। या फिर अगर आपको ज्यादा पसंद हो, तो आप डिजिटल कैलेंडर या डायरी का इस्तेमाल कर सकते हैं जो या तो आपके डेस्कटॉप में हो सकती है या ऑनलाइन भी हो सकती है, जो आपकी सभी डिवाइस पर अपडेट होती रहे।

ब्रेक लें और आराम करें

लंबे समय तक लगातार काम करने से आपकी उत्पादकता और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए थोड़े-थोड़े समय के बाद, छोटे-छोटे ब्रेक लेना और काम करने के लिए नए सिरे से ऊर्जा प्राप्त करना, आपके स्वास्थ्य और काम दोनों के लिए अच्छा होता है। ब्रेक बहुत लंबा नहीं होना चाहिए वरना काम से मन उचट सकता है। ब्रेक में आप कुछ भी मजेदार काम कर सकते हैं जिससे आपको ख़ुशी मिलती हो, जैसे-मनपसंद संगीत सुनना, पढ़ना, इंटरनेट ब्राउज करना, यहां तक कि मेडिटेशन करना, या फिर थोड़ी झपकी लेना आदि।

एक समय में एक ही काम

यह बात मल्टीटास्किंग से थोड़ी अलग है। मल्टीटास्किंग में आप बहुत सारे काम एक साथ ले लेते हैं। यहां हम यह कहना चाहते हैं कि जब आप एक काम कर रहे हों, तो पूरा फोकस उसी काम पर रखें। अपने ध्यान में दूसरे काम न लाएं। हो सकता है कि आपके पास कामों की बहुत बड़ी सूची हो, और वे बार-बार आपके दिमाग़ में आकर आपको परेशान कर रहे हों। ऐसे में आपका फोकस ठीक नहीं रहेगा और आप अपने हाथ के काम को अच्छी तरह नहीं कर पाएंगे।

एक आरएम का महत्वपूर्ण काम है कि वे ग्राहकों को यह महसूस होने दें कि वे सही, सुरक्षित जगह पर हैं...

ग्राहक जुटाने में मददगार है

रिलेशनशिप मैनेजर

बैंकिंग कार्यप्रणाली के ठीक से चलते रहने को सुनिश्चित करने के अलावा संपर्क प्रबंधक यानी रिलेशनशिप मैनेजर (आरएम) का महत्वपूर्ण काम है कि वे ग्राहकों को यह महसूस होने दें कि वे सही, सुरक्षित जगह पर हैं। यह डायरेक्ट सेल्स एसोसिएट्स यानी डीएसए और डायरेक्ट सेल्स टीम यानी डीएसटी के कार्य को भी देखते हैं। इसके अलावा ये प्रबंधक बैंक कर्मियों को बैंक नीतियों के बारे में बताते हैं और ग्राहक से कैसे पेश आएं इसका भी प्रशिक्षण देते हैं। इसके साथ ही अपने बैंक के लिए ग्राहक जुटाने की भी जिम्मेदारी आपकी रहती है।

नेचर आफ वर्क

लोन और चालू एवं बचत खातों की फाइलों को जांचना। इन फाइलों को आगे बढ़ाना, भारतीय जांच ब्यूरो लिमिटेड (सीआईबीआईएल) की रेटिंग को जांचना। क्रेडिट टीम फाइलों की प्रगति को जांचना। उस दिन के लिए तैयार फाइल को देखना और डीएसए और डीएसटी से रिपोर्ट लेना।

योग्यता

12वीं व स्नातक डिग्री के अतिरिक्त यदि आपने कोई बैंकिंग के क्षेत्र में सार्टीफिकेट, डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा जैसे कोर्स कर चुके हैं तो आपके बैंकिंग व फाइनेंशियल सेक्टर में जाने की राह आसान हो जाती है। आपमें तुरंत फैसला लेने का साहस होना चाहिए तथा ग्राहक के किसी भी सवाल का संतोशजनक जवाब देने में निपुण होकर अपनी कंपनी के सभी-उत्पादों का भली प्रकार का ज्ञान रखना चाहिए।

संबंधित कोर्स

बीबीए बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज, मास्टर्स डिग्री इन बैंकिंग एंड फाइनेंस, बीकॉम डिग्री इन बैंकिंग एंड फाइनेंस, पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस, एमबीए बैंकिंग, पीजी डिप्लोमा इन एडवांस फाइनेंशियल प्लानिंग एंड वेल्थ मैनेजमेंट आदि कोर्स करके आप इस क्षेत्र में आ सकते हैं।

सैलरी पैकेज

जिम्मेदारी के अनुसार बैंकिंग प्रबंधकों का वेतनमान भिन्न-भिन्न होता है। एक आरएम की शुरुआती सैलरी 25 हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक होती है लेकिन तजुर्बे के साथ पद व सैलरी में इजाफा होता जाता है।

इन पदों तक कैसे पहुंचे

12वीं कक्षा तक गणित या कॉमर्स विद्यार्थियों को वरीयता मिलती है। स्नातक स्तर पर बीबीए डिग्री भी नौकरी को उचित तरीके से काम करने में मदद करता है। टीकेडब्लूएस इंस्टीटयूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के डायरेक्टर अमित गोयल कहते हैं कि कुछ बैंकों में प्रोन्नति पाकर कार्यकर्ता क्षेत्रीय प्रबंधक के पद तक पहुंचते हैं जबकि कुछ बैंक एमबीए फ्रेशर को सीधे इस पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (अहमदाबाद, कोलकाता आदि) www.iim.in
- टीकेडब्ल्यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, नई दिल्ली www.tkwsibf.edu.in
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, कर्नाटक www.manipal.edu
- सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र www.siu.edu.in

सिक्कों का संग्रह हॉबी भी व्यवसाय भी

प्रोफेसर (डॉ.) अजय जोशी
निदेशक, रोजगार स्वरोजगार मार्गदर्शन संस्थान, बीकानेर

प्राचीन सिक्कों का कारोबार तेजी से पनपने लगा है....

विभिन्न प्रकार के सिक्कों का कलेक्शन करने की हॉबी काफी पुरानी है। यह हॉबी आज भी बहुत से व्यक्तियों में विद्यमान है। सिक्के प्राचीन काल से ही मानव सभ्यता के इतिहास कला संस्कृति, सामाजिक व राजनैतिक स्थितियों के गवाह रहे है। दुनिया भर में अनेक प्रकार के सिक्के प्रचलित रहे है। इनका रंग, रूप, आकार, प्रकार भी सभी कुछ विविधताओं से भरा हुआ है। सिक्कों का संग्रह परम्परागत रूप से एक शौक के रूप में प्रचलित रहा है लेकिन यह अब व्यवसाय भी बन चुका है। बाकायदा सिक्कों का कारोबार होता हैं। कई दुर्लभ सिक्के तो लाखों करोड़ों रूपयों की आय करा देते है।

सिक्के कई आकार प्रकार के होते हैं। कोई सिक्का हैट जैसा दिखता है तो कोई फावड़े जैसां किसी की आकृति घोड़े की नाल जैसी है तो किसी की चीते की जीभ जैसी। गोल तथा चैकोर सिक्कों का प्रचलन तो सदैव रहा ही है। सिक्के बनाने की धातुओं तथा पदार्थो में भी विविधता रही है। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, जिंक, एल्यूमिनियम लोहे जैसे धातुओं के अलावा कागज, चमड़े, पत्थर, कोड़ियों, गोंद की बूंदों आदि का भी सिक्के के बनाने का चलन रहा है। दक्षिण समुद्र में बैनी कारोद्वीप में पक्षियों को भी सिक्कों के रूप में प्रचलन था। सिक्कों का मूल्य पंखों की सुन्दरता पर आधारित होता था। दक्षिणी समुद्र के यान नामक द्वीप में पत्थर के बड़े बड़े टुकड़ों को सिक्कों के रूप में काम में लिया जाता था। मंचूरिया के लोग कागज के सिक्कों को व्यवहार में लाते थे। ये कागज के सिक्के बहुत छोटे तथा आकर्षक होते थे। इनका आकार हमारी बसों के टिकटों के आकार जैसा होता था।

सिक्कों का संग्रह करने वाले लोग भी अलग दृष्टियों से इनका संग्रह करते है। कुछ संग्रहकर्ता अपना संग्रह किसी देश विशेष के सिक्कों तक ही केन्द्रित रखते है जबकि कुछ लोग सभी देशों के सिक्कों के नमूनों का संग्रह करना पसन्द करते है। सिक्कों का संग्रह उनके मूल्य, जारी करने के वर्ष, सिक्कों में अंकित चित्रों व घटनाओं की विविधता के आधार पर भी किया जाता है। अधिकांश सिक्कों के एक भाग को राष्ट्रीय भाग के रूप में पहचाना जाता है जिसमें राष्ट्रीय प्रतीक तथा देश का नाम आदि अंकित होता है। दूसरे भाग में उस सिक्के का मूल्य, किसी महान हस्ती जैसे राजा, महाराज, महारानी, नेता, अभिनेता, स्थान,घटना तथा प्रतीक अंकित होते है। इस भाग में सिक्कों को जारी करने का वर्ष भी अंकित होता है। सिक्कों पर मुद्रित सामग्री अलग-अलग देशें तथा क्षेत्रों के अनुसार रही है। भारत की प्राचीन रियासतों के अपने-अपने अलग-अलग सिक्के प्रचलित रहे है।

सिक्कों का संग्रहण करने वालों के लिए इन्हें जारी करने का वर्ष काफी महत्वपूर्ण रहता है जो सिक्का जितना पुराना होता है वह उतना ही संग्रहणीय तथा दुर्लभ माना जाता है।
प्राचीन सिक्कों का कारोबार तेजी से पनपने लगा है। अब तो ऐसी सैकड़ों ऑनलाइन शौपिंग साइटें विद्यमान है जहां से आप प्राचीन तथा दुर्लभ सिक्के खरीद सकते है तथा अपने पास रखे गये सिक्कों को बेच भी सकते है। सिक्कों का कारोबार शुरू करके आप अच्छा मुनाफा कमा सकते है।

सिक्कों के संग्रहण का कारोबार

सिक्कों का संग्रहण एक व्यवसाय भी रहा है। परम्परागत रूप से दुनिया भर के सिक्कों के संग्रहणकर्ता सिक्कों को खरीदते बेचते भी रहते है। सिक्के का मूल्य उसके धातु, जारी करने वर्ष, उपलब्धता, दुर्लभता, विविधता आदि जैसी कई बातों पर आधारित होता है। कई बार दुर्लभ सिक्कों का मूल्य लाखों करोड़ों रुपयों तक पहुंच जाता है। वर्ष 1870 में महारानी विक्टोरिया पर जारी सोने के 7.77 ग्राम के सिक्के की कीमत 4 लाख 20 हजार रुपये मानी जाती है।

सबसे कीमती सिक्के

एक सोने के सिक्के पर एक ओर विलियम तृतीय का चित्र है। दूसरी ओर खजूर के पेड़ के सामने भागते हुए शेर का चित्र है। इसे दुर्लभ माना गया है। इसकी कीमत भी 4 लाख रुपये तक है। बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह के द्वारा जारी महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला एक रुपये का सन् 1897 में जारी चांदी का सिक्का जो बम्बई की मिन्ट में ढाला गया था। उसकी कीमत 15000 रु. है। 1794-95 में जारी यूएस के फ्लोविंग हेयर कोपर सिक्के की कीमत 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति सिक्का है। ये विश्व में विक्रय हेतु सबसे कीमती सिक्के है।

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

निम्नलिखित में कौन सी फसल उत्तर भारत में रबी की फसल का उदाहरण नहीं है? (UP Vidhan Parishad RO 2020)

(a) गेहूं
(b) सरसों
(c) सूर्यमुखी
(d) मूंगफली

जवाब: (d) मूंगफली

व्याख्या: रबी फसलों की बुआई के समय कम तापमान तथा पकते समय शुष्क और गर्म वातावरण की जरुरत होती है। ये फसलें सामान्यतः अक्तूबर-नवम्बर के महीनों में बोई जाती हैं।रबी फसलों के पौधे की खासियत होती है कि इनमे जल उपयोग क्षमता (WEU) और प्रकाश संश्लेषण (photo synthesis) दर दोनों ही कम होती है। इस प्रकार इन पौधों में दिन के प्रकाश में श्वसन(respiration) एवं प्रकाश संश्लेषण की क्रिया संपन्न होती है। रबी में बोए जाने वाले अनाजों में मुख्यतः गेंहू, जई (ओट), जौ, मकई आदि शामिल हैं, तो बीज वाली फसलों में सौंफ, राई, मैथी दाना, धना, जीरा, चारा (अल्फाल्फा), अलसी, इसबगोल आदि और सब्जियों में गाजर, चना, प्याज, टमाटर, आलू आदि शामिल हैं।

निम्नलिखित देशों में से किस में किस में विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय है (UP Vidhan Parishad RO 2020)

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका
(b) स्विट्जरलैंड
(c) फ्रांस
(d) नीदरलैंड्स

जवाब: (b) स्विट्जरलैंड

व्याख्या: इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है,विश्व व्यापार संगठन एकमात्र वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के मध्य व्यापार नियमों से संबंधित है। WTO समझौते इसके मूल तत्त्व हैं जिन पर कई व्यापारिक देशों द्वारा बातचीत एवं हस्ताक्षर किये गए हैं और उन देशों की संसद में जिनकी पुष्टि की गई है।विश्व व्यापार संगठन में 164 सदस्य (यूरोपीय संघ सहित) एवं 23 पर्यवेक्षक सरकारें (जैसे ईरान, इराक, भूटान, लीबिया आदि) हैं, वर्ष 1947 में जिनेवा में 23 देशों द्वारा हस्ताक्षरित GATT के रूप में एक समझौता 1 जनवरी, 1948 को निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ लागू हुआ। GATT 1948 से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को संचालित करने वाला एकमात्र बहुपक्षीय साधन (एक संस्था नहीं) बन गया और वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई, जिसने नई वैश्विक व्यापार प्रणाली का औपचारिक रूप लिया।

भारत के राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग की किस वर्ष स्थापना की गई थी (UP Vidhan Parishad RO 2020)

(a) 1991
(b) 1971
(c) 1951
(d) 2000

जवाब: (d) 2000

व्याख्या: राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग का गठन 11 मई, 2000 में किया गया था, आयोग के पास राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के क्रियान्वयन से संबंधित समीक्षा करने, निगरानी करने और निर्देश देने, स्वास्थ्य संबंधी, शैक्षणिक, पर्यावरणीय और विकास कार्यक्रमों में सहक्रिया को बढ़ावा देने और कार्यक्रमों की योजना बनाने व क्रियान्वयन करने में अन्तर-क्षेत्रीय तालमेल को बढ़ावा देने का शासनादेश प्राप्त था।इस आयोग के अंतर्गत, द नेशनल पॉपुलेशन स्टेबलाइजेशन फंड (राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरता कोष) की स्थापना की गई, लेकिन बाद में इसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया।राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 की घोषणा गर्भ-निरोध, स्वास्थ्य संबंधी आधारगत ढांचा, स्वास्थ्य कर्मचारियों और एकीकृत सेवा डिलीवरी की अतृप्त मांगों को पूरा करने के अविलम्ब लक्ष्य को हासिल करने के लिये की गई थी।इस नीति का उद्देश्य कुल प्रजनन दर को प्रतिस्थापन स्तर यानी 2 बच्चे प्रति जोड़ा तक लाना है जो इसका मध्य-सत्रीय लक्ष्य है। 2045 तक जनसंख्या को स्थिर करना इसका दूरवर्ती लक्ष्य था।

उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर में कौन सा उत्सव आयोजित किया जाता है (UP Vidhan Parishad RO 2020)

(a) गंगा उत्सव
(b) कजरी महोत्सव
(c) आयुर्वेद महोत्सव
(d) बुद्ध महोत्सव

जवाब: (b) कजरी महोत्सव

व्याख्या: कजरी महोत्सव मिर्ज़ापुर का एक बहुत प्रसिद्ध त्योहार है। यह त्योहार राजा कंतित की पुत्री कजली को श्रद्धांजली प्रदान करता है। कजली अपने पति की याद में गाने गाया करती थी जिनसे वह अपने जीवन में कभी नहीं मिल पाई। हालांकि इस त्योहार को आजकल आधुनिक रूप प्राप्त हो गया है, फिर भी स्थानीय लोगों ने इस पुरानी कथा को बनाये रखा है कि वह सुंदर राजकुमारी अपने पति की याद में गाने गया करती थी, जिनसे वह बहुत प्रेम करती थी। सावन मास में कजरी गायन इस क्षेत्र में काफ़ी प्रचलित है।

निम्नलिखित में से कौन सा नाग मिसाइल का हेलीकॉप्टर रूप है (UP Vidhan Parishad RO 2020)
(a) ब्रह्मोस
(b) हेलिना
(c) एएडी
(d) अस्त्र
जवाब: (b) हेलिना
व्याख्या: हेलिना (नाग पर आधारित) एक तीसरी पीढ़ी की 'दागो और भूल जाओ' टैंक रोधी मिसाइल (एटीजीएम) प्रणाली है, जिसे आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर पर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली, सभी मौसम में दिन और रात के समय सक्षम है तथा पारंपरिक कवच के साथ ही साथ विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच के साथ युद्धक टैंकों को नष्ट कर सकती है। हेलिना हथियार प्रणाली को भारतीय सेना (आईए) में शामिल किया जा रहा है। ध्रुवास्त्र नामक हेलिना हथियार प्रणाली के एक संस्करण को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल किया जा रहा है।

7वां विश्व शहर शिखर सम्मेलन 9 जुलाई 2020 में कहां आयोजित किया गया है (UP Vidhan Parishad RO 2020)
(a) चीन
(b) सिंगापुर
(c) थाईलैंड
(d) मलेशिया
जवाब: (b) सिंगापुर
व्याख्या: सार्वजनिक प्रशासन और शहरों के सतत विकास का 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यानि वर्ल्ड सिटीज समिट (WCS) सिंगापुर में 5 से 9 जुलाई 2020 तक आयोजित किया गया इस सम्मलेन के लिए सिंगापुर सरकार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया। डब्ल्यूसीएस की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी, जिसके बाद से इसे प्रत्येक 2 वर्षों में एक बार आयोजित किया जाता है।

1861 में किसके नेतृत्व में प्रगतिशील विचारों का पत्र इंडियन मिरर आरम्भ हुआ (UP Vidhan Parishad RO 2020)
(a) मनमोहन घोष
(b) रवींद्रनाथ टैगोर
(c) हेमंत कुमार घोष
(d) शिशिर कुमार घोष
जवाब: (a) मनमोहन घोष
व्याख्या: इंडियन मिरर समाचार पत्र की स्थापना 1861 में मनमोहन घोष और देवेन्द्रनाथ टैगोर ने कलकत्ता में की थी। यह ब्रह्म समाज से जुड़ा हुआ पत्र था।

भारत में बहादुरी का सर्वोच्च पुरस्कार कौन सा है? (UP Police Constable2019)
(a) अशोक चक्र
(b) परमवीर चक्र
(c) वीर चक्र
(d) कीर्ति चक्र
जवाब: (b) परमवीर चक्र
व्याख्या: जहां प्राथमिकता के क्रम से परमवीर चक्र, महावीर और वीर चक्र युद्ध काल में दिए जाने वाले शौर्य सम्मान हैं, जिनकी स्थापना 1950 में हुई थी तथा जो युद्ध काल में बहादुरी के प्रदर्शन के लिए दिए जाते हैं , वहीं शांति काल में बहादुरी के लिए जाने वाले पदक प्राथमिकता के क्रम से अशोक, कीर्ति और शौर्य चक्र हैं।

"माय पैसेज फ्रॉम इंडिया" के लेखक हैं (UP Police Constable2019)
(a) मुल्कराज आनंद
(b) एडवर्ड मॉरगन फार्टेर
(c) विद्याधर सूरजप्रसाद नायपॉल
(d) इस्माइल मर्चेंट
जवाब: (d) इस्माइल मर्चेंट
व्याख्या: माय पैसेज फ्रॉम इंडिया के लेखक "इस्माइल मर्चेंट" है। माय पैसेज फ्रॉम इंडिया में बॉलीवुड फिल्म उद्योग के बारे में बाते है, बॉलीवुड और हॉलीवुड में क्या अंतर है, किताब में उन्होंने बताया है की कैसे वो फिल्मों के दीवाने हुए, कैसे फिल्म का निर्माण किया, लंदन से न्यूयॉर्क तक की अपनी यात्रा के बारे में बताया है इस्माइल मर्चेंट हॉलीवुड की प्रमुख फिल्म निर्माताओं में से एक है, उन्होंने 50 से अधिक फिल्में का निर्माण किया है और निर्देशक जेम्स आइवरी के साथ फिल्मों में काम भी किया है। भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया है और इन्हें चार ऑस्कर नामांकन भी मिले है।
संकलनकर्ता: जितेश जोशी

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

गाजियाबाद के सेठ आनंदराम

जयपुरिया स्कूल का 16वां स्थापना दिवस

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, गाजियाबाद ने 12 दिसंबर को अपना 16 वां स्थापना दिवस मनाया। इसमें मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखक और पौराणिक कथाकार देवदत्त पटनायक थे।
इस वर्चुअल आयोजन में सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और शिक्षकों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। गणमान्य लोगों में सर्वोपरि सेठ आनंदराम जयपुरिया एजुकेशन सोसाइटी (एसएजेईएस) के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया, एसएजेईएस की उपाध्यक्ष सुनीता जयपुरिया, हरीश संदूजा, निदेशक (स्कूल), और मंजू राणा, प्रिंसिपल-सह-निदेशक खास तौर से उल्लेखनीय हैं। शाम 4 बजे पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ आयोजन शुरू हुआ। यह सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, गाजियाबाद के फेसबुक पेज पर लाइवस्ट्रीम किया गया। अध्यक्ष के संक्षिप्त संबोधन से सायंकालीन आयोजन का आगाज हुआ जिसमें स्कूल के उभरते संगीत कलाकारों के जीवंत ऑर्केस्ट्रा सहित कई अन्य कार्यक्रम हुए। संगीत प्रस्तुति का मुख्य संदेश था - 'जीवन का हर पल आशा और उम्मीद की नई किरण के साथ जीना है'। प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की एक संगीत नृत्य नाटिक 'द सेल्फिश जायंट' की प्रस्तुति देखी गई जो ऑस्कर वाइल्ड की फेयरी टेल के रोमांचक अनुकूलन पर आधारित है जिसमें पृथ्वी के जसंदेश है। पर मरहम लगाने का संदेश है। आयोजन का समापन मशहूर लेखक देवदत्त पटनायक के वर्चुअल आगमन के साथ हुआ जिन्होंने अपने संबोधन की रोचक बातों से सभी को आनंदित कर दिया। देवदत्त पटनायक ने इस अवसर पर कहा कि इतने कठिन दौर में विद्यार्थियों और स्कूल का यह उत्साह सराहनीय है और स्थापना दिवस का थीम भी बहुत प्रासंगिक है।

इन्वेंटरी प्रबंधन लगातार बढ़ती मांग

चौथी पीढ़ी के दौर की इंडस्ट्री में इन्वेंट्री प्रबंधन विशेषज्ञों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है . . .

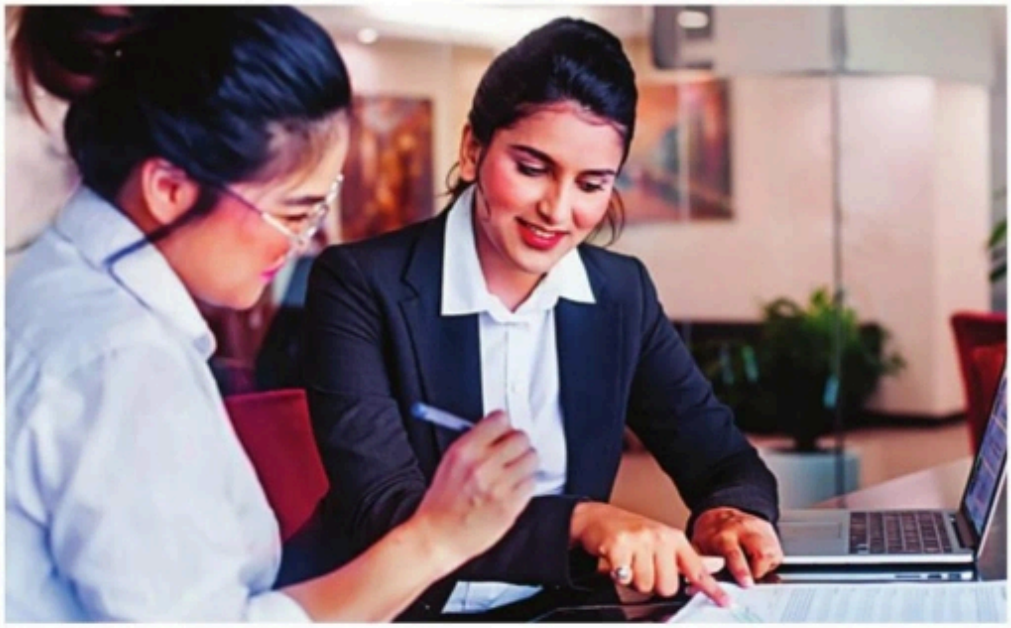

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

दुकानदार थोक व्यापारी से सामान खरीदतें हैं और सामान स्टॉक में रखतें हैं ताकि वह ग्राहकों को सामान बेच सकें। कारखानों में कच्चे माल का स्टॉक रखा जाता है ताकि उत्पादों का निर्माण किया जा सके। स्टॉक अर्थात कच्चा माल एवं सामान एवं सामग्री जो भविष्य में उपयोग या बिक्री के लिए के लिए किसी भी संगठन द्वारा संग्रहीत की जाती है। इन्वेंट्री अर्थात स्टॉक में रखे गए वस्तुओं की सूची। इन्वेंटरी मैनेजमेंट अर्थात सही समय, सही जगह और सही लागत पर सही सामग्री के सही स्टॉक का सही स्तर पर प्रबंधन करना। विशेषज्ञों का अनुमान है कि स्टॉक रखने की लागत प्रति वर्ष स्टॉक के मूल्य का लगभग 20 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त स्टॉक के साथ कई लागतें और जोखिम जुड़े होते हैं, जैसे-भंडारण लागत, सुरक्षा लागत, बीमा लागत, अप्रचलन का खतरा, चोरी का खतरा आदि। इस वजह से सफल इन्वेंटरी प्रबंधन हेतु शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। आम तौर पर संगठन छह प्रकार के स्टॉक रखतें हैं: कच्चे माल का स्टॉक, अर्ध-तैयार माल का स्टॉक, तैयार माल का स्टॉक, स्पेयर पार्ट्स का स्टॉक, उपभोग्य सामग्रियों जैसे कागज आदि का स्टॉक और ईंधन का स्टॉक।

विभिन्न विभागों की इन्वेंटरी संबंधी आवश्यकताएं

मार्केटिंग विभाग	उत्पादन विभाग	वित्त विभाग
ग्राहकों की मांगों को जल्दी से पूरा करने के लिए तैयार माल का उच्च मात्रा में स्टॉक	सुरक्षित संचालन के लिए अधिक मात्रा में कच्चे माल की भरिपूर्ति	स्टॉक की कम मात्रा ताकि स्टॉक में पैसा बंधा हुआ न हो
तैयार माल की विस्तृत विविधता	उत्पादन के दौरान सामग्री के आवागमन पर जोर	मेक-टू-ऑर्डर संचालन
कुशल वितरण प्रणाली पर जोर	यथार्थवादी बिक्री पूर्वानुमान जिससे सही नियोजन हो सके	समग्र लागत को कम करने हेतु उचित अर्थव्यवस्थाएं
ग्राहकों की मांग के अनुसार उत्पादन	----------	----------

जे.आई.टी.

आजकल कंपनियां जे आई टी (जस्ट इन टाइम) कार्यप्रणाली का अनुसरण करने पर जोर देती हैं। जे आई टी संचालन में गतिविधियां ठीक उसी समय होती हैं, जब उनकी आवश्यकता होती है। जे आई टी तकनीक के मुख्य उद्देश्य सभी परिचालन कार्यों में अपशिष्ट को खत्म करना एवं न्यूनतम सुविधाओं, उपकरणों, सामग्रियों और मानव संसाधनों का कम से कम उपयोग करते हुए सही मात्रा में केवल आवश्यक गुणवत्ता वाले भागों और उत्पादों की डिलीवरी प्रदान करना होते हैं।

इन्वेंटरी प्रबंधन के कोर्स में मार्केटिंग प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, उत्पादन प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन और प्रबंधन सूचना प्रणाली शामिल हैं।

इन्वेंटरी प्रबंधन के लिए उत्कृष्ट पुस्तकें

- मैक्स म्युलर द्वारा लिखित एस्सेंसिअल्स ऑफ़ इन्वेंटरी मैनेजमेंट
- बोस डी. चंद्र द्वारा लिखित इन्वेंटरी मैनेजमेंट
- मैथ्यू ए. वालर और टेरी एल. इसपर द्वारा लिखित द डेफिनिटिव गाइड टू इन्वेंटरी मैनेजमेंट

लड़कियों के प्रति दूषित

मानसिकता के खिलाफ जागरूकता अभियान

देशभर में पहली बार सिंगल गर्ल पैरेंट्स के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता व टॉक शो 'मेरी लाडो' का आयोजन किया गया। troopel.com के फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारित हुए इस कार्यक्रम में इंदौर की शर्मा फैमिली से आर्किटेक्ट श्री के जी शर्मा, श्रीमती डॉ अल्का शर्मा और पुत्री स्मारिका शर्मा, देवास के ठाकुर परिवार से कृष्णपाल सिंह ठाकुर, श्रीमती सीमा ठाकुर और पुत्री अंजनी ठाकुर व जयपुर की भट्टाचार्य फैमिली से श्री संदीप भट्टाचार्य, श्रीमती सविता भट्टाचार्य और पुत्री श्रुतिका भट्टाचार्य ने हिस्सा लिया। कुल चार राउंड्स में हुई इस प्रतिस्पर्धा के पहले फेज में कॉमन सवाल किए गए। वहीं दूसरा व तीसरा राउंड रैपिड फायर राउंड रहा, जिसमें बच्चों तथा माता-पिता को फटाफट सवालों के जवाब देने थे। आखिरी और चौथे टंग ट्विस्टर राउंड में भी सभी ने जमकर मस्ती की और अंत में शर्मा फैमिली बाजी मारने में कामयाब रही। इस मौके पर चैनल के को-फाउंडर अतुल मलिकराम ने सभी का धन्यवाद देते हुए अन्य पैरेंट्स से भी आगे आने का अनुरोध किया।

सवाल जवाब के दौरान कृष्णपाल सिंह ठाकुर ने बताया कि यदि वह दूसरे बच्चे का सोचते तो अंजनी को जिस तरह के देखभाल की जरुरत थी वह ना दे पाते। बता दें कि अंजनी एक दिव्यांग बाल गायिका हैं, जिन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज के दम पर कई राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम किए हैं। वहीं संदीप भट्टाचार्य ने कहा कि लड़के अक्सर मां बाप से दूर हो जाते हैं लेकिन बेटियां हमेशा रिश्ता जोड़े रखती हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एकलौती लड़की के पैरेंट्स के लिए सामाजिक रूप से होने वाली चुनौतियों व लड़कियों के जन्म को अभिशाप समझने वाली दूषित मानसिकता के खिलाफ लोगों को जागरूक करना था।

गौरतलब है कि चैनल द्वारा ऐसे ही कई अन्य सामाजिक पहलुओं को कवर करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए सेकंड इनिंग, स्टूडेंट्स के लिए करियर खोज और स्टार्टअप आइडियाज के लिए आत्मनिर्भर युवा जैसे वेबिनार शोज आदि शामिल हैं।

PROFILE

लेखन में तथ्यपरकता पर जोर

डॉ. अशोक कुमार राय
डीन अवध विश्वविद्यालय

विधि पाठ्यक्रम पर अपनी पुस्तकों से अलग पहचान बनाने वाले डॉ. अशोक कुमार राय छात्रों के प्रिय शिक्षक भी हैं। उन्होंने विधि पाठ्यक्रमों में हिंदी पुस्तकों के अभाव को ध्यान में रखकर निरंतर ऐसी पुस्तकें लिखने का बीड़ा उठाया है, जिससे हिंदी माध्यम में पढ़ रहे छात्रों को लाभ हो। आइए उनके बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं...

वर्तमान में कामता प्रसाद सुंदर लाल साकेत महाविद्यालय अयोध्या में विधि विषय के एसोसिएट प्रोफेसर होने के साथ ही वह डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में विधि संकाय के डीन हैं। डॉ राय ने विधि विषय पर कई पुस्तकें लिखी हैं जो विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से संबंधित हैं। विधि पाठ्यक्रम पर अपनी पुस्तकों से अलग पहचान बनाने वाले डॉ. अशोक कुमार राय छात्रों के प्रिय शिक्षक भी हैं। उन्होंने विधि पाठ्यक्रमों में हिंदी पुस्तकों के अभाव को ध्यान में रखकर निरंतर ऐसी पुस्तकें लिखने का बीड़ा उठाया है।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में जन्मे डॉ. राय ने अपनी इंटरमीडिएट तक की शिक्षा कुशीनगर के नेहरू इंटर कॉलेज से पूरी की। और अपनी स्नातक की शिक्षा गोरखपुर विश्वविद्यालय। इसके बाद वहीं से उन्होंने एल एल बी की परीक्षा गोल्ड मेडल के साथ उत्तीर्ण किया। इसके बाद काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से एलएलएम की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात उच्चतर शिक्षा आयोग द्वारा उनकी नियुक्ति साकेत महाविद्यालय में प्रवक्ता के पद पर हुई, तब से शिक्षण कार्य की यात्रा निरन्तर जारी है। राय बताते हैं कि मेरी परवरिश एक शिक्षक परिवार में हुई। मेरे पिताजी हिन्दी विषय के प्रवक्ता थे और कहीं न कहीं यही मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत बना। मेरे मन मे शिक्षक बनने का विचार एलएलएम की पढ़ाई के दौरान पहली बार आया। वे बताते हैं कि उनके शोध का विषय मृत्युदंड:विरल से विरलतम मामले -एक सूक्ष्म विश्लेषण था। यह उच्चतम न्यायालय के निर्णय बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य पर विशेष रूप से आधारित है। इस शोध कार्य को पूरा करने के लिए लगभग साठ विशेष मामलों का विश्लेषण मेरे द्वारा किया गया। उनकी लेखन प्रेरणा के बारे में पूछने पर राय ने बताया कि विधि विषय में हिन्दी माध्यम की अधिकृत पुस्तकों के अभाव ने मुझे लेखन कार्य के लिए प्रेरित किया। मेरे हिसाब से लेखन में तथ्यपरकता ज्यादा जरूरी है। अभी तक मेरी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जबकि तीन अन्य का प्रकाशन होना बाकी है। जबकि हालिया पुस्तक 'भारत में न्यायिक पुनरावलोकन का सिद्दांत' है। इसके बारे में बात करते हुए वे कहते हैं कि संविधान निर्माताओं ने वह कौन सा अधिकार प्रदान किया था जिससे भारतीय संविधान संरक्षित हो सके उसी को ध्यान में रखकर मैंने यह पुस्तक लिखी।

इस समय न्यायिक सक्रियता का नाम देकर न्यायालय की संविधानिक प्रतिबद्धता को प्रभावित किया जा रहा है और शीर्ष न्यायालय की बुद्धिमत्ता पर सवाल खड़ा किया जा रहा है कि वह ऐसे आदेश देती ही क्यों है, जिन्हें लागू नहीं कराया जा सकता। मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं और इसी को केंद्र बिंदु मानकर मैंने यह पुस्तक लिखी है। डॉ. राय विद्यार्थियों के प्रिय हैं और युवाओं को अपना करियर तलाशने में सहयोग भी करते हैं। उनका कहना है कि युवाओं को चाहिए कि वे अनुशासन के साथ किसी भी क्षेत्र में कठिन परिश्रम करें क्योंकि किसी भी बड़े लक्ष्य का कोई शॉर्टकट नहीं होता। कई दिशाओं में प्रयत्न करने से बेहतर है कि किसी एक दिशा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया जाए क्योंकि अपनी क्षमता को स्वयं व्यक्ति से बेहतर कोई नहीं जान सकता।

- डॉ. अरुण प्रकाश

भारतीय संसद की नई इमारत का शिलान्यास

इमारत बनाने का ठेका टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को मिला है...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 दिसंबर, 2020 को भारत की संसद की नई इमारत का शिलान्यास किया। राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट के बीच नई इमारतों के लिए सेंट्रल विस्टा का मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। इस इलाके में संसद के दोनों सदनों के लिए ज्यादा सदस्यों की क्षमता वाली नई इमारतें बनाई जाएंगी। साथ ही केंद्रीय सचिवालय के लिए 10 नई इमारतें बनाई जाएंगी। नई संसद भवन एक तिकोनी इमारत होगी जबकि मौजूदा संसद भवन वृत्ताकार है। अभी का संसद भवन ब्रिटिश दौर में बना था जो लगभग 100 वर्ष (93 वर्ष) पुराना है। नया संसद भवन अक्तूबर 2022 तक बन जाएगा। काम दिसंबर 2020 में शुरू करने की उम्मीद जताई गई है। संसद की नई इमारत बनाने की लागत लगभग 971 करोड़ रुपये होगी। नई इमारत बनाने का ठेका टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को मिला है। उसने सितंबर 2020 में 861.90 करोड़ रुपये की बोली लगाकर ये ठेका हासिल किया था। नया संसद भवन सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट का खाका गुजरात स्थित एक आर्किटेक्चर फर्म एचसीपी डिजाइन्स ने तैयार किया है।

संसद भवन का इतिहास

भारत का संसद भवन 93 वर्ष पुराना है और इसकी संरचना पूर्णतः गोलाकार है। कहा जाता है कि इस इमारत के निर्माता ब्रिटिश वास्तुविद सर एडविन लुटियंस ने मध्य प्रदेश के मुरैना के पास स्थित प्राचीन चौसठ योगिनी मंदिर से इस भवन का डिजाइन अपनाया था। इस मंदिर को गुर्जर प्रतिहार वंश के राजाओं ने बनाया था और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इस मंदिर को प्राचीन ऐतिहसिक स्मारक घोषित किया है। संसद भवन संसद भवन की नींव की पहली ईंट 12फरवरी 1921 में रखी गयी थी, इसके निर्माण में 6 साल और 83 लाख रुपए का खर्च आया था। संसद के दोनों सदन घोड़े के पैर की संरचना पर बने हैं। लोकसभा और राज्यसभा हॉल का आकार घोड़े के पैर के आकार का है।

दुनिया के प्रशिद्ध संसद भवन

ब्रिटेन स्थित पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर दुनियाभर में सभी सांसदों का मूल माना जाता है। थेम्स नदी के किनारे बने इस पार्लियामेंट हाउस को चार्ल्स बेरी और अगस्टस वेल्बी पुगिन ने डिजाइन किया था। पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में तीन टावर बने हुए हैं, जो एलिजाबेथ टावर, न्यू पैलेस और हाउस ऑफ कॉमन्स के नाम से जाने जाते हैं। अपने अनोखे बनावट के वजह से साल 1987 से यह भवन यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों का हिस्सा है।

- श्रीलंका के पार्लियामेंट हाउस की भी गिनती दुनिया के बेहतरीन संसद भवन में होती है। इस भवन के निर्माण में चार साल का समय लगा और इसका नक्शा श्रीलंकन वास्तुविद जोफ्री बावा ने बनाया था। इसमें श्रीलंकन बौद्ध इमारतों के अलावा काफी मॉर्डन छाप भी है।

- यूरोपियन देश रोमानिया का संसद भवन मजबूत पार्लियामेंट भवनों में से है। बुखारेस्ट में स्थित इस भवन को वास्तुकार एन्का पेट्रिशिया ने डिजाइन किया है। इस भवन को बनाने में 20,000 सैनिकों और कैदियों ने दिन-रात काम किया, तब जाकर यहां की भव्य इमारत बन सकी। इस संसद भवन का भीतर का हिस्सा संगमरमर से बना है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस भवन में 8 खुफिया सुरंगें भी हैं, ताकि आपात स्थिति में सांसद निकल सकें।

WEEKLY DAIRY

09 दिसंबर

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने टेलीकॉम विभाग को पीडीओ के जरिए सार्वजनिक रूप से वाई -फाई सेवा प्रदान करने का नेटवर्क तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ऐसी कंपनियों से वाई-फाई और ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए किसी तरह का लाइसेंस शुल्क नहीं लिया जाएगा।

10 दिसंबर

बीएसएनएल ने घोषणा की है कि वह भारत में दुनिया का पहला सैटेलाइट आधारित नैरोबैंड-आईओटी नेटवर्क लॉन्च करेगा। कंपनी ने इसके लिए स्काइलोटेक इंडिया के साथ साझेदारी की है। इसकी शुरुआत मछुआरे, किसान, विनिर्माण, खनन व लॉजिस्टिक कंपनियों के साथ होगी।

11 दिसंबर

भारत और नेपाल ने द्विपक्षीय बबल समझौते के तहत एक-दूसरे देश के लिए विमान सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है। दुनिया के कई अन्य देशों के साथ भी भारत ने द्विपक्षीय आधार पर विमान संचालन की इस तरह की व्यवस्था की है। शुरू में यह सेवा दिल्ली और काठमांडू के बीच की जा रही है।

खेल

भारत और गुजरात के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल 'टैलेंट स्काउट' (नई प्रतिभाओं को ढूंढने वाला) के रूप में आईपीएल की मौजूदा चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गए। भारत की तरफ से 25 टेस्ट, 38 एकदिवसीय और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पार्थिव ने बुधवार को संन्यास लेने की घोषणा की। मुंबई ने 2015 और 2017 में जब आईपीएल ट्रॉफी जीती थी तब पार्थिव उसका हिस्सा थे। पार्थिव को दो दशक से भी अधिक समय तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का अपार अनुभव है।

- बल्लेबाज प्रियम गर्ग को सैयद मुश्ताक अली टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश का कप्तान नियुक्त किया गया है। चयन समिति ने 20 साल के बल्लेबाज प्रियम गर्ग को आगामी सैयद मुश्ताक अली टी-20 चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश सीनियर टीम का कप्तान चुना है।

नियुक्ति

- भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को अमेरिकी संसद के कांग्रेशनल प्रोग्रेसिव कॉकस (सीपीसी) की अध्यक्ष के तौर पर चुना गया है। सीपीसी अध्यक्ष के तौर पर चुने जाने से जयपाल अमेरिका में 117वीं कांग्रेस के सबसे ताकतवर सांसदों में से होंगी। अमेरिका में यह पद प्रभावी और अनुभवी सांसद को दिया जाता है। भारत के चेन्नई में जन्मी प्रमिला जयपाल (55) को बुधवार को सीपीसी का अध्यक्ष चुना गया। बता दें कि डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमिला जयपाल ने वाशिंगटन राज्य के सातवें कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र से रिपब्लिक पार्टी के क्रेग केल्लर को 70 फीसदी मतों से मात दी है।
- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आर सुब्रमण्यन, आर एस राठो और रोहित जैन को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। अब RBI में कुल 13 एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हो गए हैं।

निधन

- प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित, जाने-माने कवि व लेखक मंगलेश डबराल का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। मंगलेश डबराल का जन्म 16 मई 1948 को उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के काफलपानी गांव में हुआ था।
- पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री व कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता रामलाल राही का 10 दिसंबर को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। राम लाल राही पहली बार 1977 में सांसद चुने गए थे। इसके बाद वह तीन बार और सांसद रहे। 1991 में उन्हें गृह राज्य मंत्री बनाया गया था। दो बार विधायक भी रहे। 2017 के उप्र विधानसभा चुनाव से पहले राही भाजपा में शामिल हो गए थे।
- मशहूर कथक और कथकली को मिला कर एक अनूठी नृत्य शैली पेश करने लिए मशहूर नर्तक अस्ताद देबू का 10 दिसंबर को मुंबई में निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें 1995 में 'संगीत नाटक अकादमी' पुरस्कार दिया गया था। वह 2007 में 'पद्मश्री' से भी सम्मानित किए जा चुके हैं।
- फुटबॉल विश्व कप 1982 में इटली को चैंपियन बनाने वाले 64 साल के कप्तान पाओलो रॉसी का निधन हो गया। खिलाड़ी के बाद वह अपने देश में कमेंटेटर के तौर पर भी सक्रिय थे। उन्होंने सट्टेबाजी के मामले में निलंबन से 1980 में वापसी के बाद दमदार प्रदर्शन किया और 1982 में अपनी टीम को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। वह 1982 में फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे।

- सौरभ सिंह

मुरैनग्रास की एक नई प्रजाति की पहचान

भारत के चार वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट में से एक गोवा में पश्चिमी घाट पर वैज्ञानिकों ने भारतीय मुरैनग्रास की एक नई प्रजाति की पहचान की है। इसे पारिस्थितिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्णमानी जाती है। मसलन चारा आदि। इन प्रजातियों ने जटिल परिस्थितियों, कम पोषक तत्व की उपलब्धता, और हर मानसून में खिलने के लिए अनुकूलित किया है। वैश्विक स्तर पर 85 प्रजातियां इस्चेमम से जानी जाती हैं, जिनमें से 61 प्रजातियां विशेष रूप से भारत में पाई जाती हैं। पश्चिमी घाट में जीनस की उच्चतम सांद्रता वाली 40 प्रजातियां हैं। गोवा के पश्चिमी घाट में अपनी खोज के दौरान एआरआई की टीम ने प्रजातियों के एक दिलचस्प नमूनों की पहचान की जो चट्टानों पर मिट्टी की पतली परत के ऊपर फैला हुआ मिला। इस नई प्रजाति को पहली बार 2017 के मानसून में संग्रहित किया गया था।

प्रिय पाठकों...

उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां कॅरिअर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे asktoudaan @amarujala.com पर संपर्क कर सकते हैं।

- धन्यवाद।

WEEKLY DAIRY

12 दिसंबर

टाइम मैगजीन ने 2020 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर का ऐलान कर दिया है। इस बार अमेरिका के प्रेसिडेंट इलेक्ट जो बाइडेन और वाइस प्रेसिडेंट इलेक्ट कमला हैरिस को मैगजीन ने अपने कवर पेज पर जगह दी है। दोनों के फोटो के साथ लिखा है- Changing America's story ।

13 दिसंबर

हिंद महासागर द्वीप खेलों की मेजबानी के लिए मालदीव के स्थान पर अब, मेडागास्कर का चयन किया गया है जो मौजूदा कोरोना वायरस महामारी की समस्या के कारण वर्ष 2023 में आयोजित किये जायेंगे। हालांकि, मालदीव ने इनको वर्ष 2025 में आयोजित करवाने का अनुरोध किया था।

14 दिसंबर

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने भारत की चार दिन की सरकारी यात्रा के तहत परस्पर हित के आपसी, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विदेशमंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की। राब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के साथ भी बैठक की।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0538

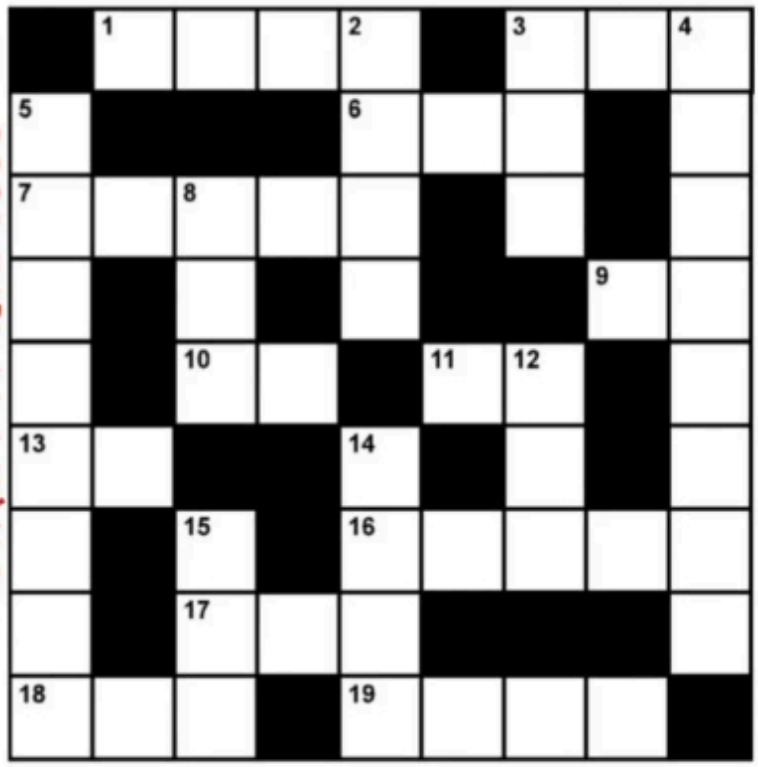

बाएं से दाएं: 12/38

1. वह आसन जिसमें सिर नीचे और पैर ऊपर होते हैं (4)
3. सुप्रसिद्ध रहस्य रोमांच लेखिका '... क्रिस्टी' (3)
6. धोखा; भ्रम; मिथ्या धारणा; शंका; संदेह (3)
7. धन; धन दौलत; धन संपत्ति(3,2)
9. ग्वालियर की राजमाता के नाम का एक भाग (2)
10. वाराणसी शहर में स्थित पौराणिक नगरी जिसे संसार के सबसे पुरानी नगरों में माना जाता है; हरिवंश पुराण के अनुसार भरतवंशी राजा 'काश' द्वारा बसाई एक नगरी; बनारस (2)
11. जो छूने में कड़ा न हो; कोमल; नरम; मुलायम; नाजुक; जो तीव्र या वेगयुक्त न हो; धीमा; मंद (2)
13. अप्रधान; अल्प; छोटा; नन्हा; संक्षिप्त; सूक्ष्म; 'दीर्घ' का विलोम (2)
16. महल; राज्यपाल का निवास; सरकारी भवन (5)
17. 'इंडियन प्रीमियर लीग' के पूर्व अध्यक्ष और कमीशनर व 'चैंपियंस लीग' के पूर्व अध्यक्ष '...' मोदी; सुंदर; इच्छित; ईप्सित (3)
18. 1965 में आई के.पी. मूवी की इस फिल्म में मनोज, निरुपाराय, कामिनी कौशल थे; अपने प्राण न्योछावर करने वाला; बलिदान देने वाला; युद्ध मृत (3)
19. 13 फरवरी 1931 को इस लुटियन क्षेत्र का उद्घाटन वायसराय लार्ड इर्विन ने किया था (2,2)

ऊपर से नीचे: 8/36

2. सूरत से 23 किमी दूर पूर्णा नदी के किनरे स्थित एक नगर; भारतीय पारसियों का प्रमुख केंद्र (4)
3. 1967 में आई राजेंद्र कुमार, सायरा बानो, बलराज साहनी, चेतन आनंद, ओम प्रकाश, सज्जन, चांद उस्मानी, सुंदर की फिल्म; 'कास्टिंग काउच' मामले में सामने आया एक नाम ' ... ' वर्मा; सुख; चैन; आराम; शांति (3)
4. अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति; अमेरिकी 'स्वतंत्रता की घोषणा' के मुख्य लेखक (3,5)
5. दक्षिण में असम, दक्षिणपूर्व मे नागालैंड, पूर्व में म्यांमार (बर्मा), पश्चिम में भूटान और उत्तर में तिब्बत से घिरा भारत का एक राज्य (5,3)
8. निवेदन; प्रार्थना पत्र (3)
12. जिसका जन्म निम्न कुल में हुआ हो; नीच कुल का (3)
14. आद्य; प्राचीन; पुराना; जीर्ण; घिसा हुआ (4)
15. जल देने वाला; बादल; मेघ; कपूर (3)

- हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0537

1 मृ		2 प		3 वि	4 म	ल	5 रा	य
6 त	त्प	र	ता		सो		ज	
सा		ख		7 रा	स	क	र	ना
8 ग	ब	न	क	र	ना		थ	
र		ली		ठा		9 चि		10 चौ
	11 प		12 वि	न	य	प	त्रि	का
13 घ	र	ब	ना	ना		क		मा
	वा		य		14 ह	वा	दा	र
15 रा	ह	ता	क	ना		ना		ना

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 66

Collective Noun:

Collective noun or Group noun is a singular noun, such as team or family that refers to a group of people, animals or things. It can be used with a singular or a plural verb in British English. It is generally used with a singular verb in American English.

- The team is/are going to win the match. (British English)
- The team is going to win the match. (American English)
- Some more examples of Collective nouns are: Class, Club, Firm, Government, Jury, Orchestra, Party, Public, Staff, etc.

Word /phrase of the week:

To cut corners- to do something in the quickest, easiest, or cheapest way, often by ignoring rules or leaving something out

Example Sentences:

- Take your time, don't cut corners and follow all the instructions.
- The carpenter was criticized to cut corners in making the furniture..

Interesting Fact:

Most languages for a written marriage proposal- The most languages for a written marriage proposal is 26 official languages used by Nicholas Theodosiou (UK/Cyprus), as verified on 19 January 2015.

The marriage proposal was written in the form of a multilingual poem, titled 'Bury Me in Her Eyes', written in 26 languages with each language used for a different part of the text of no less than 30 words or logographs. (Guinness World Records)

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

क्या आप जानते हैं?

रामानुजन ने यूं तो गणित की शिक्षा किसी से नहीं ली। परंतु वे भगवती नामगिरी देवी के अनन्य भक्त थे...

जैसा कि पिछले अंक में बताया गया था कि रामानुजन की मां मंदिर में भजन गाती थीं , आज की शृंखला यहीं से आगे बढ़ाते हैं। 1. रामानुजन की मां कोमलतम्मल सारंगपाणी मंदिर में भजन गाती थी और इसका प्रभाव रामानुजन के जीवन पर भी पड़ा। रामानुजन के अंदर धर्म , आध्यात्म और वैदिक ज्ञान की लालसा भी फलवती होती गयी। रामानुजन ने यूं तो गणित की शिक्षा किसी से नहीं ली पर भगवती नामगिरी देवी के वो अनन्य भक्त थे और उन्होंने अपने ज्ञान का पूरा श्रेय विष्णुप्रिया नामगिरी को दिया। उनकी मां बताती है कि रामानुजन कई बार गणित करते-करते सो जाते थे और आधी रात को उठकर अपने अधूरे काम को करने लगते। रामानुजन का कहना था कि सपने में आकर नामगिरी देवी उन्हें प्रश्नों को हल करना सिखाती हैं। खैर, रामानुजन के गणितीय प्रतिभा की चर्चा पूरे जिला में फैल गयी थी। इस बात से उनके प्रशंसक काफी खुश थे पर कुछ मित्रों को रामानुजन का गणित पर आधिपत्य रास नहीं आता और उनके मित्रों में से एक राजागोपालन ने उनकी परीक्षा लेने के लिए एक मुश्किल सा दिखने वाला एक दो चरों वाले समीकरण को हल करने को कहा जिसका उत्तर रामानुजन ने एक मिनट से भी कम समय में दे दिया। अब उस प्रश्न को आप भी हल करने की कोशिश कीजिये। इस प्रश्न का उत्तर $x = 4$, $y = 9$ आता है। ये घटना स्कूल के दिनों की है जब रामानुजन ने 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की थी।

2. दसवीं की परीक्षा में रामानुजन ने फिर पूरे प्रान्त में अपने ज्ञान का परिचय दिया और दक्षिणी भारत के कैंब्रिज कहे जाने वाले कुम्भकोनम गवर्मेंट कॉलेज में दाखिला लिया। कॉलेज में रामानुजन की दिलचस्पी गणित और गणितीय शोध में और हो गयी। वे अन्य विषयों की कक्षा में भी सिर्फ गणित के प्रश्नों को हल करते। यह बात जब गणित के प्राध्यापक पी. शेशु अय्यर को पता चला तो उन्होंने डांटने की वजाय गणित के प्रश्नों को अपनी और अन्य कक्षा में हल करने की छूट दे दी और साथ ही लंदन गणितीय गजट नामक जर्नल के प्रश्नों को हल करने का सुझाव भी दिया। अब

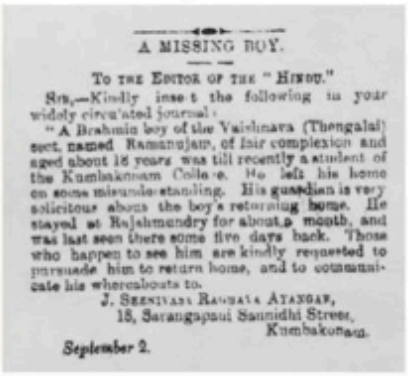

A MISSING BOY.

To the Editor of the "Hindu."

Sir,—Kindly insert the following in your widely circulated journal:

"A Brahmin boy of the Vaishnava (Thengalai) sect, named Ramanujam, of fair complexion and aged about 16 years was till recently a student of the Kumbakonam College. He left his home on some misunderstanding. His guardian is very solicitous about the boy's returning home. He stayed at Rajahmendry for about a month, and was last seen there some five days back. Those who happen to see him are kindly requested to persuade him to return home, and to communicate his whereabouts to.

J. Srinivasa Raghava Aiyangar,
15, Sarangapani Sannidhi Street,
Kumbakonam.

September 2.

रामानुजन ने अन्य विषयों की पढ़ाई बंद कर दी और गणित के प्रश्नों को हल करना उनके दिनचर्या में शामिल हो गया। इसका दुष्परिणाम ये हुआ कि रामानुजन एफ.ए (इंटरमीडिएट) की परीक्षा में अनुतीर्ण हो गये। घर और आस-पड़ोस के मित्र उनकी हंसी उड़ायेंगे ये सोच रामानुजन ने घर छोड़ने का फैसला कर लिया। इस घटना को उस समय की प्रतिष्ठित अखबार हिंदू में जगह मिली और परिणाम रामानुजन को उनके मित्र उनके घर ले आये।

3. एफ.ए परीक्षा में पास होने के लिए दुबारा रामानुजन ने 1904 एवं 1905 में पचियाप्पा कॉलेज में दाखिला लिया पर यहां भी किस्मत ने साथ नहीं दिया और रामानुजन फिर असफल रहे। परन्तु इस दौरान ने ऑयलेर स्थिरांक का मान दशमलव के 15 अंकों तक निकालने में सफलता पाई। रामानुजन की शादी इस बीच जानकी के साथ कर दी गयी जिससे उनपर दोहरी मार पड़ गयी। एक तो असफलता और दूसरा पारिवारिक बोझ पर रामानुजन ने गणित से अपन प्रेम कम नहींहोने दिया। रामानुजन ने इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित जर्नल में बर्नौली संख्या पर अपन पहला शोध कार्य प्रकाशित करवाया और फिर घातीय व्यंजक पर एक प्रश्न भी जो कुछ इस प्रकार था पर छः मास के बाद रामानुजन ने खुद इस प्रश्न का हल पत्रिका में भेजा जिसमें प्रश्न का हल $x = 3$ आया। आप स्वयं इसका मान निकालें और गणित का आनंद लें।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

UI/UX डिज़ाइन इंटर्नशिप
कंपनी - त्रिपाक्षी
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 6,000-12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-2213
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

प्रोजेक्ट कोआर्डिनेशन इंटर्नशिप
कंपनी - सिंपलप्लान मीडिया
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 8,000-12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2214
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

ह्यूमन रिसोर्स (HR) इंटर्नशिप
कंपनी - टॉप हैर
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2222
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

सोशल मीडिया मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - मिल्कीवे इनकारपोरेशन
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 8,000-12000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2215
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

डाटा एंट्री इंटर्नशिप
कंपनी - सैंफौन्ड्री
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2223
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

पाइथन डवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी - एडुगोरिल्ला
कहां - लखनऊ
वेतन - 12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2217
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - दजॉब सीकर्स
कहां - लखनऊ
वेतन - 5,000-8,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-2218
आवेदन की अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2021

SCHOLARSHIP ALERT

एसटीएफसी मेरिटोरियस स्कॉलरशिप प्रोग्राम

विवरण:
श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनांस कंपनी लिमिटेड द्वारा देश के आर्थिक रूप से कमजोर कमर्शियल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स के परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान की जा रही है। 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद प्रोफेशनल डिग्री, कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से प्रति वर्ष स्कॉलरशिप प्राप्त करने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

मानदंड:
वर्तमान में डिप्लोमा, आईटीआई, पोलिटेक्निक कोर्स करने वाले व 10वीं व 12वीं कक्षा में कम से कम 60 फीसदी या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जो अभी तीन व चार वर्षीय ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थी हों। विद्यार्थी के अभिभावक कर्मिशयल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स हों व उनकी पारिवारिक वार्षिक आय 4 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : अधिकतम तीन वर्ष तक के आईटीआई, पोलिटेक्निक, डिप्लोमा के विद्यार्थियों को 15000 रुपये प्रति वर्ष व तीन से चार वर्ष तक के ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थियों को 30000 से 35000 रुपये तक की राशि प्रति वर्ष प्राप्त होगी।

अंतिम तिथि : 31 दिसंबर, 2020

आवेदन कैसे करें: इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/AU/STFC1

कीप इंडिया स्माइलिंग फॉउण्डेशनल स्कालरशिप प्रोग्राम

विवरण:
कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड युवा छात्रों को यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम विभिन्न पोस्ट-मैट्रिक और स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मानदंड:
ऐसे छात्र जिन्होंने 2019 की बोर्ड परीक्षा में कम से कम 75% अंकों के साथ 10 वीं कक्षा या कम से कम 60% अंकों के साथ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर लिया है।

इनाम/लाभ:
चयनित विद्वान 3 साल तक की पढ़ाई के लिए प्रति वर्ष 30,000 रुपये तक के छात्रवृत्ति का लाभ उठा सकते हैं।

अंतिम तिथि: 28 फरवरी, 2021

आवेदन लिंक: www.b4s.in/AU/KISSP01

द जे. एन. टाटा एंडोवमेंट लोन स्कॉलरशिप 2020-21

विवरण:
टाटा ट्रस्ट उन भारतीय छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है जो भारत से बाहर(विदेश में) उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम चयनित भारतीय छात्रों को विदेशों में उनके अध्ययन के लिए 'गिफ्ट स्कॉलरशिप' और 'ट्रेवल ग्रांट्स'(यात्रा अनुदान) भी प्रदान करता है।

मानदंड:
भारतीय छात्र जिन्होंने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है या भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में हैं, इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को उनकी अंतिम शैक्षणिक परीक्षाओं में न्यूनतम 60% अंक होने चाहिए। भारत के बाहर शैक्षणिक संस्थानों में केवल पीजी/पीएचडी/पोस्टडॉक्टरल/रिसर्च कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले छात्र पात्र हैं। उम्मीदवारों की आयु 30 जून 2021 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इनाम/लाभ :10 लाख रुपये तक की लोन स्कॉलरशिप प्राप्त होगी।

अंतिम तिथि : 08 मार्च, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/JNT4

एनआईटी वारंगल डिपार्टमेंट ऑफ ईसीई जूनियर रिसर्च फेलोशिप 2020

विवरण:
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), वारंगल ईसीई / ईईई में बीटेक / बीई डिग्री धारकों से एनआईटी वारंगल डिपार्टमेंट ऑफ ईसीई जूनियर रिसर्च फेलोशिप 2020 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह फेलोशिप प्रायोजित रिसर्च प्रोजेक्ट टाइटल, "प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रॉनिक जैक्वार्ड मशीन फॉर काम्प्लेक्स डिजाइन्स इन हैंडलूम सेक्टर"के लिए है।

मानदंड:
यह फेलोशिप उन उम्मीदवारों को दी जाती है जो कम से कम कुल 60% के साथ ईसीई/ईईई में प्रथम श्रेणी में बीटेक/बीई डिग्री धारक हैं। उनके पास गेट का वैध स्कोर होना चाहिए। हथकरघा मशीनों और बुनाई का ज्ञान रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

इनाम/लाभ : 31,000 रुपये प्रति माह

अंतिम तिथि : 24 दिसंबर, 2020

आवेदन कैसे करें : प्रधान अन्वेषक सहायक प्रोफेसर, ईसीई विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल - 506004, तेलंगाना, भारत को ईमेल या डाक से।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/WDF2

टाइम मैनेजमेंट बनाएं बेहतर योजना

वे लोग ज्यादा बेहतर ढंग से काम करने और लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होते हैं, जो 24 घंटों में खुद को और खुद के काम को अच्छी तरह से प्रबंधित कर पाते हैं...

डॉ. राजेश कुमार
निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा - पूर्व) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

जब हम कुछ कर नहीं पाते, तो अकसर हम कहते हैं कि क्या बताएं, टाइम नहीं मिला। हमारे काम हमारे टाइम से हमेशा ज्यादा रहते हैं, हम लोगों को फोन नहीं कर पाते, हम लोगों से मिल नहीं पाते, हम मनपसंद चीजें नहीं कर पाते, क्योंकि हमारे पास टाइम नहीं होता। इसके विपरीत, हम देखते हैं कि कुछ लोग अपना काम समय पर कर लेते हैं, वे अपने लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं, और वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी आसानी से निभा लेते हैं। लोग ऐसा कैसे कर पाते हैं? उनके पास जादू की कौन-सी छड़ी होती है? क्या उनके पास हमसे ज्यादा समय होता है? क्या वे सुबह जल्दी उठते हैं और रात को देर से सोते हैं? क्या वे अपने टाइम को हमसे ज्यादा बेहतर ढंग से मैनेज करते हैं? कहावत है कि अगर आपको कोई काम पूरा करवाना है तो उसे सबसे व्यस्त व्यक्ति को दें। व्यस्त व्यक्ति जानता है कि काम को कैसे व्यवस्थित करना है और वह आपको काम पूरा करके दे देगा, जबकि खाली व्यक्ति को पता नहीं रहता कि वह काम को कैसे अपनी योजना में डाले और वह काम शायद पूरा न कर सके। आइए आज हम इन्हीं सब बातों पर विचार करें।

अपने कामों को प्राथमिकता का क्रम दें

हम सभी के पास बहुत सारे काम होते हैं, और उन सभी को एक साथ पूरा करना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। ऐसे में अगर हम अपने कामों को प्राथमिकता के आधार पर क्रम दें, तो हमारी उलझनें कम हो सकती हैं। इससे हमारा समय यह तय करने में बर्बाद नहीं होगा कि कौन सा काम करें और अगर हम कोई काम कर रहे हैं और दूसरा काम बीच में आ जाता है, तो हम अपना ध्यान भटकने से बचा सकें। आम तौर से काम 4 तरह के होते हैं। एक वे, जो महत्वपूर्ण और तात्कालिक होते हैं, जिन्हें तत्काल पूरा करना आवश्यक होता है, जैसे बिजली का बिल भरना, जिसे न करने से आपकी बिजली कट सकती है। दूसरी तरह के काम वे होते हैं, जो महत्वपूर्ण तो होते हैं लेकिन तात्कालिक नहीं होते। इनके लिए आप तय कर सकते हैं कि
इन्हें कब करना है, यानी इन पर पहली श्रेणी के कामों की तरह तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता नहीं होती। जैसे अपने परिवार के साथ फिल्म देखने जाना। तीसरी तरह के काम तात्कालिक होते हैं लेकिन महत्वपूर्ण नहीं होते। उदाहरण के लिए आपको हवाई टिकट बुक करना है, जो तत्काल करना है, लेकिन उसे करने से कोई उपलब्धि हासिल नहीं होने वाली। चौथी तरह के काम वे होते हैं जो न तो तात्कालिक होते हैं और न ही महत्वपूर्ण होते हैं। उदाहरण के लिए वीडियो गेम खेलना, जिसे तत्काल करना न तो आवश्यक है और न ही उससे आपके लक्ष्य में कोई कामयाबी हासिल होगी। तो अगर आप अपने कामों को इस तरह से प्राथमिकता के आधार पर क्रम दे देंगे, तो आपका बहुत सारा समय बर्बाद होने से बच सकता है और आपको पता रहेगा कि किस समय आपको क्या काम करना है।

टाइम मैनेजमेंट क्या है?

आमतौर पर जिसे हम टाइम मैनेजमेंट कहते हैं, दरअसल वह खुद को मैनेज करने की कला होती है। समय कभी रुकता नहीं, हमेशा बीतता रहता है। हम इसे अपनी इच्छा के अनुसार इसे रोक नहीं सकते, न ही मोड़ सकते हैं। हमारे हाथ में करने के लिए जो है, वह यह है कि हम अपने पास उपलब्ध समय का सर्वोत्तम ढंग से उपयोग करें, ताकि हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें। हम सभी को दिन में 24 घंटे ही मिलते हैं। अब इसमें वे लोग ज्यादा बेहतर ढंग से काम करने और लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होते हैं, जो इन 24 घंटों में खुद को और खुद के काम को अच्छी तरह से प्रबंधित कर पाते हैं। आइए हम आगे देखते हैं कि वे ऐसा कैसे कर पाते हैं और क्या के कुछ ऐसी युक्तियां हैं, जिनको अपनाकर आप भी अपने समय का सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं। तो इसके लिए क्या किया जाए?

अपना शेड्यूल पहले से बना लें

अगर आप सुबह उठे हैं, और आपको पता नहीं है कि आपको आज दिन में क्या करना है, तो इससे आपको उलझन रहेगी और आपका बहुत सारा समय चीजों पर सोचने में ही बर्बाद हो जाएगा। इससे आपको कोई जिम्मेदारी का काम हाथ में लेने में भी मुश्किल हो सकती है, क्योंकि आप उसके लिए पहले से तैयार नहीं हैं। अपने काम को अच्छी तरह से व्यवस्थित करने के लिए यह आवश्यक है कि हफ्ता शुरू होने से पहले आप करीब आधा घंटा लगाकर अपने काम की योजना बनाएं, और फिर रोज रात को सोने से पहले अपने अगले दिन के काम की योजना तैयार करें। ऐसा करने से आपका अपने काम पर बहुत अच्छा नियंत्रण रहेगा, और